शनिवार

19 सितंबर 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 238
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ईडी की आंच से बचने को हरीश रावत ने चला भावनात्मक पैंतरा

चेलों ने लूटा, गुरु बने 'सत्यवादी'

पूर्व सीएम को याद आई मां, आंसुओं से धुलेंगे भ्रष्टाचार के दाग

जांच एजेंसियों की कार्रवाई और आरोपों से घिरे पूर्व सीएम हरीश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की सियासत में चुनावी रण अभी पूरी तरह खुला भी नहीं है और आरोप-प्रत्यारोप के तीरों ने निशाना साध ना शुरू कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के खिलाफ उठ रहे आरोपों के बीच अब खुद रावत मैदान में उतर आए हैं। लेकिन इस बार उनका जवाब सामान्य राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि भावनाओं से लिपटा हुआ राजनीतिक प्रतिआक्रमण है। हाथों में मां की तस्वीर, मां की सौगंध और फिर बड़ा दावा, न नौकरी दिलाने के नाम पर कभी पैसा लिया और न किसी राजनीतिक पद के लिए। रावत ने अपने अंदाज में सवाल भी खड़ा किया और जवाब भी दिया। संदेश साफ था कि आरोप लगाने वालों को वह केवल राजनीतिक मंच से नहीं, बल्कि अपनी व्यक्तिगत आस्था को सामने रखकर चुनौती दे रहे हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब उनके पूर्व विशेष कार्याधिकारी और वर्तमान निजी सहायक चंदन सिंह जीना से जुड़ी प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई ने प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है। जांच एजेंसी की कार्रवाई के बाद रावत पहले ही कांग्रेस के कुछ संगठनात्मक पदों से इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। हालांकि उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने की बात नहीं कही।

हरीश रावत के लिए मौजूदा विवाद केवल किसी एक आरोप का जवाब देने तक सीमित नहीं है। यह उनके दशकों लंबे राजनीतिक सफर और सार्वजनिक छवि से जुड़ा सवाल बन गया है। यही वजह है कि रावत ने जवाब देते हुए राजनीतिक शब्दावली के बजाय परिवार और आस्था का सहारा लिया। मां की तस्वीर हाथ में लेकर सौगंध खाना दरअसल अपने समर्थकों और राजनीतिक विरोधियों दोनों को संदेश देने की कोशिश है कि वह इस आरोप को व्यक्तिगत रूप से अपनी प्रतिष्ठा पर हमला मान रहे हैं। रावत का कहना है कि उन्होंने कभी नौकरी लगवाने के नाम पर पैसा नहीं लिया। राजनीतिक पद दिलाने के बदले धन लेने के आरोपों से भी उन्होंने इनकार किया है। यानी पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोपों की पूरी राजनीतिक धार को अपनी व्यक्तिगत ईमानदारी के सवाल से जोड़ दिया है।

रावत के जवाब का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही है कि आरोपों के शोर को वह सबूत की कसौटी पर कसने की चुनौती दे रहे हैं। उनका कहना है कि उनके राजनीतिक जीवन में पहले भी आरोप लगाए गए, लेकिन वह उन हमलों के बीच खड़े रहे। यहीं से मामला महज बचाव का नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिरोध का रूप लेता दिखाई दे रहा है। रावत जानते हैं कि चुनावी राजनीति में किसी नेता पर लगा आरोप केवल अदालत या जांच एजेंसी तक सीमित नहीं रहता। वह जनता की धारणा का हिस्सा बन जाता है। ऐसे में रावत ने शुरुआती स्तर पर ही अपनी राजनीतिक कथा गढ़ने की कोशिश की है कि आरोप बनाम हरीश रावत की साख। चंदन सिंह जीना से जुड़े मामले में ईडी की कार्रवाई के बाद भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का राजनीतिक आधार मिला है, जबकि कांग्रेस इसे व्यापक राजनीतिक संदर्भ में देख रही है। ऐसे में रावत का भावुक वीडियो इसी टकराव की अगली कड़ी माना जा सकता है। भाजपा की ओर से जहां जांच और कार्रवाई को कानून की प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा है, वहीं रावत ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को राजनीतिक हमले के रूप में प्रस्तुत किया है। यही विरोधाभास आने वाले दिनों में इस मुद्दे को और गरमा सकता है।

उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो रही हैं। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और भाजपा को सत्ता से चुनौती देने की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे समय में कांग्रेस के सबसे पुराने और प्रभावशाली चेहरों में शामिल हरीश रावत पर उठते सवाल पार्टी के लिए भी राजनीतिक महत्व रखते हैं। रावत के सामने दोहरी चुनौती है कि एक तरफ आरोपों का जवाब देना और दूसरी तरफ यह संदेश देना कि वह अभी भी सक्रिय राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में हैं। इसीलिए उनका मां की सौगंध वाला वीडियो महज सफाई नहीं है। यह राजनीतिक रूप से अपने समर्थक आधार को साधने और विरोधियों के हमले की धार को भावनात्मक मोर्चे पर रोकने की कोशिश भी है।

उत्तराखंड की राजनीति में हरीश रावत की शैली हमेशा से अलग रही है। कभी पहाड़ की संस्कृति, कभी लोक भोजन, कभी खेत-खलिहान और कभी पहाड़ी अस्मिता, रावत राजनीति को सीधे जनभावनाओं से जोड़ने के लिए जाने जाते हैं। (शेष पेज-07)

हथियारबंद बदमाशों ने युवती को मारी गोली

एक युवक को गोली मारने पहुंचे थे बदमाश

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नगर कोतवाली के मायापुर क्षेत्र की वाल्मीकि बस्ती में बीती देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक को निशाना बनाने पहुंचे बदमाशों ने फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि युवक पर गोली चलाए जाने के दौरान उसके साथ रह रही युवती अचानक सामने आ गई और गोली लगने से घायल हो गई। गंभीर हालत में युवती को उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार केशर नाम की युवती हरिद्वार के खन्नानगर स्थित एक जिम में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती है। वह मायापुर क्षेत्र की वाल्मीकि बस्ती में अंश नाम के युवक के साथ रह रही थी। बताया जा रहा है कि अंश के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि बीती रात कुछ युवक अंश को निशाना बनाने के इरादे से उसके घर पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने वहां पहुंचकर अंश पर गोली चलाने की कोशिश की। इसी दौरान केशर बीच में आ गई और गोली उसे जा लगी। गोली लगने के बाद मौके पर अफराख़्तफरी मच गई। घायल युवती को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि फायरिंग किसने की और वारदात के पीछे वास्तविक वजह क्या थी। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की तलाश के साथ ही युवक और युवती के संबंध ों तथा दोनों पक्षों के आपराधिक और विवादित इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस घायल युवती के बयान और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

टैबलेट की सौगात,चुनावी उपहार

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव का वर्ष करीब है और ऐसे समय में स्कूली बच्चों को टैबलेट देने की सरकारी पहल स्वाभाविक रूप से चर्चा के केंद्र में आ गई है। बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना नि:संदेह समय की जरूरत है। पहाड़ी राज्य में जहां अनेक विद्यालय आज भी संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, वहां तकनीक के माध्यम से शिक्षा की पहुंच बढ़ाना एक सकारात्मक कदम हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या टैबलेट बांट देना ही डिजिटल शिक्षा का पर्याय है? यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनावी वर्ष में सरकार की हर बड़ी घोषणा को केवल उसके घोषित उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन, समय और दीर्घकालिक प्रभाव की कसौटी पर भी परखा जाना चाहिए। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां दूसरे राज्यों से अलग हैं। यहां दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों के अनेक विद्यालय ऐसे हैं जहां इंटरनेट की स्थायी सुविधा, पर्याप्त बिजली, डिजिटल सामग्री और प्रशिक्षित शिक्षक अभी भी चुनौती हैं। ऐसे में बच्चे के हाथ में टैबलेट पहुंचा देना आसान है, लेकिन उस टैबलेट को ज्ञान का प्रभावी माध्यम बनाना असली चुनौती है। यदि इंटरनेट कमजोर है, पाठ्यक्रम आधारित डिजिटल सामग्री उपलब्ध नहीं है और शिक्षक स्वयं डिजिटल माध्यम के उपयोग में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं हैं तो टैबलेट महज एक महंगा उपकरण बनकर रह सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह योजना केवल वितरण तक सीमित न रहे। प्रत्येक टैबलेट के साथ गुणवत्तापूर्ण डिजिटल पाठ्यसामग्री, सुरक्षित इंटरनेट व्यवस्था, तकनीकी सहायता और शिक्षकों का प्रशिक्षण भी जुड़ा होना चाहिए। बच्चों को यह भी सिखाना होगा कि तकनीक का इस्तेमाल केवल मनोरंजन या सामाजिक माध्यमों के लिए नहीं, बल्कि सीखने, खोजने और अपनी रचनात्मक क्षमता विकसित करने के लिए कैसे किया जाए। यहां एक दूसरा बड़ा सवाल समानता का है। सरकारी विद्यालयों के बच्चों को टैबलेट देना अच्छी पहल हो सकती है, लेकिन क्या सभी बच्चों को समान डिजिटल अवसर मिलेंगे? किसी बच्चे के घर में बिजली और इंटरनेट है, तो किसी के घर में ये दोनों सुविधाएं सीमित हो सकती हैं। पहाड़ के दूरस्थ गांवों में स्थिति और कठिन है। इसलिए डिजिटल शिक्षा की नीति में केवल उपकरण नहीं, बल्कि डिजिटल बुनियादी ढांचे को भी प्राथमिकता देनी होगी। चुनावी वर्ष होने के कारण सरकार की मंशा पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है। लेकिन किसी योजना को केवल इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि उसका समय चुनाव के करीब है। लोकतंत्र में सरकारें चुनाव के पहले भी जनहित की योजनाएं लागू करती हैं और जनता को उनका लाभ मिलना चाहिए। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि योजना कितनी पारदर्शी, टिकाऊ और परिणामकारी है। सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि टैबलेट खरीद में कितनी राशि खर्च होगी, कितने विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा, चयन का आधार क्या होगा, उपकरणों के रख-रखाव की जिम्मेदारी किसकी होगी और योजना की निगरानी कैसे की जाएगी। सार्वजनिक धन से चलने वाली किसी भी योजना में यह सवाल जायज हैं। खासकर तब, जब शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में खर्च होने वाला पैसा सीधे बच्चों के भविष्य से जुड़ा हो। उत्तराखंड को टैबलेट बांटने से कहीं आगे जाने की जरूरत है। हर सरकारी विद्यालय में स्मार्ट कक्षा, बेहतर इंटरनेट, डिजिटल पुस्तकालय, प्रशिक्षित शिक्षक और स्थानीय भाषा-संस्कृति से जुड़ी डिजिटल सामग्री विकसित की जानी चाहिए। पहाड़ के बच्चे केवल डिजिटल उपभोक्ता न बनें, बल्कि डिजिटल ज्ञान के निर्माता भी बनें यह लक्ष्य होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि शिक्षा को चुनावी घोषणाओं की चमक से बचाना होगा। टैबलेट आज दिया जाएगा, लेकिन बच्चे का भविष्य अगले दस-पंद्रह वर्षों में बनेगा। इसलिए सरकार चाहे किसी भी दल की हो, उसे ऐसी शिक्षा नीति देनी होगी जो सरकार बदलने के साथ न बदले। बच्चों के हाथ में टैबलेट देना तस्वीर का आकर्षक हिस्सा है और उनके हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना असली लक्ष्य होना चाहिए। चुनावी साल में मिली यह सौगात तभी सार्थक मानी जाएगी, जब चुनाव बीत जाने के बाद भी टैबलेट बच्चों की पढ़ाई का साथी बना रहे और सरकारी विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को वास्तव में मजबूत करे। यही इस योजना की सबसे बड़ी परीक्षा भी है और सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

उत्तराखंड में भाजपा की 'सुनामी'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने किया बड़ा दावा

- प्रदेश का राजनीतिक माहौल भाजपा के पक्ष में, जमीनी स्तर पर दिख रहे बदलाव के संकेत
- जमीन पर असंतोष, हवा में सुनामी का दावा, 2027 से पहले महेंद्र भट्ट का शगूफा
- सत्ता के चश्मे से गायब हो गए बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार आदि सभी मुद्दे

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच सियासी बयानबाजी भी तेज होने लगी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने दावा किया है कि प्रदेश की राजनीतिक हवाएं भाजपा के पक्ष में बह रही हैं और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की सुनामी दिखाई देगी।

उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि प्रदेश में दिखाई दे रहे कई संकेतों से स्पष्ट हो रहा है। महेंद्र भट्ट के बयान से साफ है कि भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी राजनीतिक आक्रामकता बढ़ा दी है। पार्टी जहां संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दे रही है, वहीं वरिष्ठ नेता सरकार की उपलब्धियों और संगठन की सक्रियता को चुनावी आधार बनाने में जुटे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि प्रदेश में राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और इसके संकेत जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। उनके अनुसार जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर सकारात्मक माहौल है और संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। भाजपा के लिए 2027 का चुनाव लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की कोशिश का चुनाव होगा। ऐसे में पार्टी नेतृत्व अभी से अपने कार्यकर्ताओं और संगठन को चुनावी लक्ष्य के अनुरूप सक्रिय कर रहा है। महेंद्र भट्ट का सुनामी वाला बयान इसी चुनावी आत्मविश्वास को सामने रखता है।

भाजपा के इस दावे के साथ कांग्रेस पर भी राजनीतिक दबाव बढ़ना तय माना जा रहा है। कांग्रेस जहां सरकार के खिलाफ बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, पलायन और अन्य मुद्दों को लेकर हमलावर है, वहीं भाजपा विपक्ष के दावों का जवाब सरकार के कामकाज और संगठनात्मक मजबूती के जरिए देने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। 2027 के चुनाव में दोनों प्रमुख दलों के बीच मुकाबला केवल सत्ता और विपक्ष की लड़ाई नहीं रहेगा, बल्कि अपने-अपने दावों को जमीन पर साबित करने की चुनौती भी होगी।

महेंद्र भट्ट ने राजनीतिक माहौल को भाजपा के पक्ष में बताते हुए सुनामी का दावा जरूर किया है, लेकिन इस दावे की वास्तविक राजनीतिक परीक्षा चुनाव में ही होगी। फिलहाल चुनाव की अधिसूचना और अंतिम प्रत्याशी तय होने में समय है। आने वाले महीनों में स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवारों का चयन, संगठन की सक्रियता और मतदाताओं के बीच दोनों दलों की स्वीकार्यता जैसे कारक तस्वीर को प्रभावित करेंगे।

भाजपा ने फिलहाल चुनावी नैरेटिव की दिशा तय करने की कोशिश शुरू कर दी है कि संदेश साफ है कि पार्टी खुद को 2027 की लड़ाई में मजबूत स्थिति में मान रही है। अब कांग्रेस इस दावे का जवाब किस मुद्दे और किस रणनीति से देती है, यह उत्तराखंड की अगली राजनीतिक जंग की दिशा तय करने वाले प्रमुख पहलुओं में होगा।

राधाष्टमी ब्रज की भक्ति परंपरा का सबसे पावन पर्व

ललित शर्मा

राधाष्टमी का पावन पर्व बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। धार्मिक परंपरा में इस दिन को श्री राधारानी के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। ब्रजभूमि में राधाष्टमी का विशेष महत्व है। इस अवसर पर बरसाना सहित संपूर्ण ब्रज क्षेत्र राधारानी की भक्ति और श्रद्धा में सराबोर दिखाई देता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार राधारानी का जन्म भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को दोपहर 12 बजे (मध्याह्न काल) सोमवार के दिन अनुराधा नक्षत्र में हुआ था। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत राधारानी की आराधना के बिना अधूरा माना जाता है। मान्यता है कि जन्माष्टमी के व्रत की पूर्णता तभी मानी जाती है जब श्रद्धालु राधाष्टमी के पावन अवसर पर भी व्रत रखकर श्री राधाष्टमी का स्मरण और पूजन करते हैं। श्रद्धालु अपनी क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार राधाष्टमी का व्रत रखते हैं। वे अपनी सुविधा के अनुसार निर्जल व्रत, फलाहार या एक समय भोजन कर संकल्प ले सकते हैं। कुछ श्रद्धालु मौन व्रत धारण करते हैं । राधाष्टमी के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए इसमें गंगाजल को मिलाया जाता है, इसके बाद राधाष्टमी को राधाकृष्ण का ध्यान कर व्रत का संकल्प लें। राधारानी की मुख्य पूजा दोपहर मध्याह्न के समय की जाती है, दोपहर में पंचामृत से श्री राधा कृष्ण की मूर्ति का अभिषेक करें और उन्हें सुंदर वस्त्र फूलों से सजाएं, उसके बाद राधा रानी को खीर, माखन, मिश्री, मालपुआ या सात्विक मिठाइयों का भोग लगाएं, भोग में तुलसी का होना अति आवश्यक है। उसके बाद कथा सुनें और आरती उतारें। ब्रज की लोक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अरबी की सब्जी, दही का भोग श्री राधा रानी को अर्पित करने की परंपरा का उल्लेख मिलता है। श्रद्धालु इसे प्रेम और श्रद्धा के साथ राधा रानी को भोग के रूप में अर्पित करते हैं। दोपहर के पूजा अर्पण के बाद प्रसाद ग्रहण करके व्रत खोला जाता है। कुछ श्रद्धालु पूरे दिन का उपवास भी रखते हैं। दिन में हरे कृष्णा या महामन्त्र ही श्री राधकाये नमः का जप करना चाहिए। मथुरा और पूरे ब्रज क्षेत्र में इस दिन प्रमुख मंदिरों में राधाष्टमी का उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया जाता है उदाहरण के लिए रावल गांव श्री (राधा रानी की जन्मस्थली), कीर्तिमंदिर बरसाना, ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर वृंदावन, राधा बल्लभ मंदिर वृंदावन, राधाकुंड, राधारानी अलबेली सरकार मंदिर (गोविंद नगर मथुरा) मथुरा के अलावा राधाष्टमी का पर्व भारत के कई अन्य राज्यों और विश्व के अनेक देशों में बहुत ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है गोविंद देव श्री मंदिर (जयपुर), मायापुर (पश्चिम बंगाल), पुरी (ओडिशा), इस्कॉन मंदिर (मुंबई), इस्कॉन मंदिर (अहमदाबाद), छतरपुर (दिल्ली), अमेरिका, ब्रिटेन, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा आदि ।

राधाष्टमी के अवसर मथुरा सहित संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन को पुलिस द्वारा सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं। ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन हो सके। ऐसा कहा जाता है 1000 एकादशी व्रत के बराबर राधाष्टमी का 1 व्रत उससे ज्यादा फलदायक होता और ज्यादा पुण्य मिलता है । राधाष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है बल्कि ब्रज की प्रेम, भक्ति और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। इसे ब्रज की भक्ति परंपरा का सबसे पावन पर्व माना जाता है राधारानी की भक्ति में सरोबर यह पर्व श्रद्धालुओं को प्रेम, समर्पण और अदम्यता का संदेश देता है राधाष्टमी के अवसर पर पूरा ब्रज राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठता है।

तैड़िया गांव में मूलभूत सुविधाओं की मांग

कोटद्वार (आरएनएस)। रिखणीखाल ब्लॉक के कोर जोन में बसे तैड़िया गांव के विस्थापन की करीब तीन दशक पुरानी प्रक्रिया के बीच ग्रामीणों ने अब विस्थापन से इतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। कालागढ़ टाइगर रिजर्व (केटीआर) वन प्रभाग के डीएफओ तरुण एस ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों के साथ बैठक की और विस्थापन को लेकर उनकी राय जानी।ग्राम पंचायत कांडा की प्रधान बिनीता ध्यानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएफओ तरुण एस ने ग्रामीणों को कोर जोन और बफर जोन की स्थिति समझाई। उन्होंने कहा कि शासन से मिले आदेश के क्रम में वह गांव की परिस्थितियों का जायजा लेने पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि तैड़ियाखाल से तैड़िया गांव के जेठनूं तक की दूरी करीब 1.3 किलोमीटर है। गांव तक पहुंचने वाला पैदल मार्ग भी क्षतिग्रस्त है।ग्राम प्रधान बिनीता ध्यानी ने कहा कि विस्थापन की प्रक्रिया चलने के साथ ही ग्रामीणों की सुरक्षा और सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए गांव के आसपास तीन किलोमीटर क्षेत्र में सोलर फेंसिंग, सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने, तैड़ियाखाल से गांव तक कम से कम छह फीट चौड़े मार्ग के नवीनीकरण और विद्युतीकरण की मांग रखी। बैठक में वन क्षेत्राधिकारी कृति नेगी, गोविंद राम, मोहनलाल, ओमप्रकाश, प्रेम बल्लभ, काशंबरी देवी, दिक्षा, सुनीता देवी, चंदा देवी, सरिता देवी आदि मौजूद रहे। बैठक का संचालन ग्रामीण डॉ. अंबिका प्रसाद ध्यानी ने किया।

बारिश की मेहर से झंगोरा लहलहाया, अब दाम की बारी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। डुंडा और नौगांव क्षेत्र में झंगोरा की फसल अब तैयार होने लगी है। इस बार बारिश को फसल के लिए अनुकूल माना जा रहा है जिससे किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों को उत्पादन से लेकर विपणन तक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्य कृषि अधिकारी के अनुसार, वर्ष 2025-26 में डुंडा में 700 और नौगांव में 1100 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया था, जिसे विभाग ने हासिल किया। चालू वित्तीय वर्ष में भी दोनों विकासखंडों में कुल 1800 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है और बुआई पूरी हो चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक श्री अन्न उत्पादक किसानों के लिए एमएसपी पिछले वर्ष के 4,886 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर इस वर्ष 5,205 रुपये किया गया है। लाइन से बुआई पर 3,000 रुपये और छिटकवा विधि से बुआई पर 1,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन का प्रावधान है।

आईआईटी के दीक्षांत समारोह में 2701 विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

रुड़की(आरएनएस)। आईआईटी रुड़की का दीक्षांत समारोह 19 और 20 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह हॉल में समारोह में संस्थान के 2701 छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएगी। आईआईटी के निदेशक प्रो. केके पंत ने प्रेसवार्ता में दीक्षांत समारोह की जानकारी साझा की। बताया कि समारोह का पहला दिन स्नातक छात्रों के लिए समर्पित रहेगा। इसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत कुमार डोभाल समारोह को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, लेफ्टिनेंट जनरल एसएस महल विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

पौड़ी के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में जीते पदक

कोटद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित वंदना कटारिया स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में पौड़ी गढ़वाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न आयु वर्गों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए। अंडर-14 आर्टिस्टिक पेयर वर्ग में सार्थक कंडवाल और देवांश शाह ने प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में संस्कृति गुसाईं ने भी प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंडर-19 बालिका वर्ग में सौम्या शर्मा, अंडर-19 बालक वर्ग में सागर और वरुण ने दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक जीते। अंडर-14 बालक वर्ग में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालकोट, पोखड़ा के विभोर और करन ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। इसी वर्ग के बालिका वर्ग में तुलसी जुयाल और आस्था बड़थ्वाल ने भी कांस्य पदक हासिल किया।प्रतियोगिता में शिवपुर कोटद्वार स्थित सार्थक योगशाला के खिलाड़ियों ने विशेष प्रदर्शन किया। राजकीय इंटर कॉलेज कांडाखाल की यशिका नेगी, मेघा रावत, सोनाक्षी, प्रियांशी पंवार और प्रियांशी रावत सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया। पौड़ी गढ़वाल की 35 सदस्यीय टीम के प्रभारी राकेश कंडवाल और कोच जितेंद्र प्रसाद धस्माना रहे। टीम को जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग, पौड़ी गढ़वाल का मार्गदर्शन और सहयोग मिला। राज्य स्तरीय टीम के चयन में व्यायाम प्रशिक्षक प्रवीण बिष्ट का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

उत्तराखंड उदय एक्सपोर्ट 2026 एवं किसान मेले का शुभारंभ

रुद्रपुर (आरएनएस)। मोदी मैदान में पांच दिवसीय 'उत्तराखंड उदय एक्सपोर्ट 2026 एवं किसान मेले' का शुभारंभ हुआ। प्रदेश के ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म एवं ग्रामोद्योग मंत्री भरत सिंह चौधरी ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन किसानों, स्थानीय उत्पादकों, उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को बाजार से जोड़ने के साथ स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन में सहायक हैं। रुद्रपुर स्थित यूआरआईडी पहुंचने पर सीडीओ दिवेश शाशनी, परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी और महाप्रबंधक उद्योग विपिन कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंटकर मंत्री भरत सिंह का स्वागत किया। इसके बाद मंत्री मोदी मैदान पहुंचे और भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का विधिवत शुभारंभ किया।

उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर कृषि आधारित सामग्री, स्थानीय उत्पादों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों से उत्पादकों को उत्पादों की गुणवत्ता, पैकेजिंग और बाजार की मांग समझने का अवसर मिलता है। उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग कृषि, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, लघु उद्योग और स्वरोजगार से जुड़े हैं। ऐसे मंच उत्पादकों को उपभोक्ताओं तक पहुंचने और नए बाजार तलाशने में मददगार हो सकते हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की भागीदारी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वरोजगार के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा और भाजपा नेता सुरेश कोली को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, आयोजक समिति के पदाधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, किसान, उद्यमी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आयोजक समिति के निदेशक एसके त्रिपाठी ने बताया कि मेला 17 से 21 सितंबर तक चलेगा। इसमें कुल 80 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें 60 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। कुमाऊं मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से किसानों के पहुंचने की संभावना है। मेले में स्वयं सहायता समूहों, संस्थानों और विभिन्न विभागों की ओर से तैयार कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। किसानों, उत्पादकों, महिला समूहों, उद्यमियों और उपभोक्ताओं को साझा मंच उपलब्ध कराकर स्थानीय उत्पादों के प्रचार और विपणन को बढ़ावा देना मेले का प्रमुख उद्देश्य है।

स्वच्छता ही सेवा है अभियान का शुभारंभ

हल्द्वानी(आरएनएस)। नगर निगम में स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान का शुभारंभ हुआ। महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि 17 अक्तूबर तक चलने वाले इस अभियान का संकल्प एकजुट प्रयास, प्रभावी बदलाव है। उन्होंने शहरवासियों से अपने घर, प्रतिष्ठान और आसपास सफाई रखने और दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की। नगर आयुक्त परितोष वर्मा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर टोलिया, गणेश भट्ट, मुख्य सफाई निरीक्षक अमोल असवाल, चतर सिंह, पार्षद सचिन तिवारी आदि मौजूद रहे।

एनएमसी से मान्यता मिलने पर भाजपा ने जताई खुशी

पिथौरागढ़(आरएनएस)। मेडिकल कॉलेज को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की मान्यता मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सिल्थाम तिराहे पर मिष्ठान वितरण किया। आतिशबाजी कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी के नेतृत्व में कार्यकर्ता सिल्थाम में एकत्र हुए और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। भाजपा जिलाध्यक्ष जोशी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के संचालन के बाद पहाड के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। दायित्वधारी गणेश भंडारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद के लोगों के लोगों से मेडिकल कॉलेज के संचालन का लेकर किया वादा पूरा किया। मेडिकल कॉलेज के संचालन से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में सुधार आने की उम्मीद है।इस दौरान मेयर कल्पना देवलाल,पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष राजेंद्र सिंह रावत,जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका चुफाल,पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बोरा, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार, उमेश महर, जिला महामंत्री इंदर सिंह लुंठीं, जिला मंत्री रघुवीर सिंह बिष्ट, जिला मीडिया प्रभारी कवींद्र शाह, युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक लोहिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी मेहता सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम प्रहरियों को नशा तस्करी और साइबर अपराध पर सतर्कता बढ़ाने के दिए निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। थाना लमगड़ा में थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने थाना क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक की। बैठक में कानून-व्यवस्था मजबूत बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी और अपराधों की रोकथाम को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

थानाध्यक्ष ने ग्राम प्रहरियों से अपने-अपने गांवों में संदिग्ध गतिविधियों, व्यक्तियों और घटनाओं पर नजर रखने तथा महत्वपूर्ण सूचनाएं तत्काल थाना पुलिस या संबंधित बीट कर्मचारी तक पहुंचाने को कहा। नशा तस्करी और अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की जानकारी पुलिस को देने और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

ग्रामीणों को अवैध रूप से उगाई गई भांग की खेती स्वत: नष्ट करने और भविष्य में इसकी खेती न करने के लिए जागरूक करने को भी कहा गया। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ग्राम प्रहरियों को अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों को पुलिस तक सूचना पहुंचाने के विभिन्न माध्यमों की जानकारी भी दी गई। बैठक में ग्राम प्रहरियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए साइबर धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। महिला एवं बाल सुरक्षा के संबंध में 1090 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी गई। इसके अलावा डायल 112, थाना पुलिस, सीएम हेल्पलाइन और सिटीजन पोर्टल के माध्यम से पुलिस तक सूचना पहुंचाने के बारे में भी बताया गया।

चार साल से गन्ना भुगतान अटका, 24 को सीएम आवास घेरेंगे किसान

रुड़की (आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन क्रांति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सैनी ने कहा कि इकबालपुर स्थित लक्ष्मी शुगर मिल से क्षेत्रीय किसानों का करीब 130 करोड़ और हरियाणा के किसानों का करीब 40 करोड़ रुपये गन्ना भुगतान बकाया है। चार साल से भुगतान नहीं होने से किसानों में रोष है।

उन्होंने ऐलान किया कि बकाया भुगतान समेत अन्य मांगों को लेकर 24 सितंबर को किसान देहरादून पहुंचकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आवास का घेराव करेंगे। इकबालपुर स्थित शुगर मिल में आयोजित किसान सभा को संबोधित करते हुए विकास सैनी ने कहा कि किसानों के बकाया गन्ना भुगतान की मांग कई बार शासन और प्रशासन के समक्ष उठाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सरकार से किसानों का बकाया भुगतान तत्काल कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि इसी सत्र में सरकार इकबालपुर शुगर मिल का संचालन कराए, ताकि क्षेत्रीय किसान अपनी उपज इसी मिल में डाल सकें।उत्तर प्रदेश की तर्ज पर उत्तराखंड में किसानों के नलकूपों की बिजली मुफ्त करने और स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाने की घोषणा करने की मांग की। विकास सैनी ने उत्तराखंड में मैदान और पहाड़ के नाम पर भेदभाव खत्म कर पूरे प्रदेश में समान नियम लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार हरिद्वार जिले को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजे। उन्होंने किसानों से 24 सितंबर को अधिक से अधिक संख्या में देहरादून पहुंचने का आह्वान किया। सभा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोद प्रजापति, राष्ट्रीय प्रभारी कर्मवीर सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री सिकंदर सैनी, प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह, यूनुस प्रधान, अनिल चौधरी, अरविंद पाल, बिजेंद्र गिरी, डॉ. तौफीक अहमद, राम सिंह, अजय वर्मा, पंकज सैनी, नीतू राम सैनी आदि मौजूद रहे।

केले के फूल को खाने में शामिल करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

केले का फूल एक पौष्टिक और स्वादिष्ट सामग्री है, जिसे कई व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। हालांकि, केले के फूल का इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि इसका सही तरीके से उपयोग किया जा सके। आइए जानते हैं कि केले के फूल का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही तरीके से साफ करें : केले के फूल का इस्तेमाल करने से पहले उसे अच्छे से साफ करना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले बाहरी पत्तियों को हटाकर अंदर के हिस्से तक पहुंचें और उसे पानी से धो लें। इससे गंदगी और कीटाणु हट जाएंगे। इसके बाद इसे छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें ताकि इसे आसानी से पकाया जा सके। सही तरीके से साफ करने से केले के फूल का स्वाद भी बेहतर हो जाएगा और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

पकाने से पहले भिगो दें : केले के फूल को पकाने से पहले उसे कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें। इससे इसमें मौजूद कड़वाहट कम हो जाएगी और इसका स्वाद बेहतर हो जाएगा। भिगोने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी भरें और उसमें कटे हुए केले के फूल डालकर 30 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद इसे छान लें और आगे की प्रक्रिया के लिए तैयार कर लें। इससे आपका व्यंजन स्वादिष्ट बनेगा और सेहत के लिए भी अच्छा रहेगा। मसालों का सही चयन करें केले के फूल का स्वाद बढ़ाने के लिए सही मसालों का चयन करना अहम है। हल्दी, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, अदरक-लहसुन का पेस्ट आदि मसाले इसके साथ अच्छी तरह मिलते हैं। इन मसालों का उपयोग करने से न केवल इसका स्वाद बढ़ता है बल्कि यह सेहत के लिए भी अच्छा रहता है। मसालों को सही अनुपात में मिलाकर इस्तेमाल करें ताकि व्यंजन का स्वाद संतुलित रहे और यह अधिक पौष्टिक बने।

धीमी आंच पर पकाएं : केला के फूल को धीमी आंच पर पकाना सबसे अच्छा तरीका है। इससे यह अच्छी तरह से पकता है और इसका स्वाद भी बेहतरीन आता है। तेज आंच पर पकाने से बाहर से जल सकता है जबकि अंदर कच्चा रह जाता है। धीमी आंच पर पकाने से न केवल इसका स्वाद बेहतर होगा बल्कि पौष्टिक तत्व भी बरकरार रहेंगे। इस तरह आप अपने व्यंजनों को स्वादिष्ट और सेहतमंद बना सकते हैं।

धैर्य से पकाएं : केला के फूल को पकाते समय धैर्य रखना बहुत जरूरी है। जल्दीबाजी में पकाने से व्यंजन खराब हो सकता है या उसका स्वाद बिगड़ सकता है। धीरे-धीरे सभी चरणों को पूरा करें ताकि आपका व्यंजन सही तरीके से तैयार हो सके। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने रसोईघर में केले के फूल का सही उपयोग कर सकते हैं और अपने व्यंजनों को पौष्टिक बना सकते हैं।

फिसलन वाले जूते पहनने से हो रही है परेशानी? इन हैक्स को अपनाएं

फिसलन वाले जूते पहनने से चलने में काफी दिक्कत होती है, खासकर अगर आप रोजाना ऑफिस या कॉलेज जाते हैं तो फिसलन वाले जूते पहनने से आपको कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कुछ आसान और असरदार उपाय अपना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने जूतों में पकड़ बढ़ा सकते हैं।

रबर बैंड का करें उपयोग : रबर बैंड का उपयोग करके आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक मोटा रबर बैंड लेना है और उसे अपने जूते की तलवे पर अच्छे से बांधना है। इससे आपके जूते फिसलेंगे नहीं और आप आराम से चल सकेंगे। यह तरीका खासकर फ्लैट जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल आपकी चलने की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आप अपने जूतों को लंबे समय तक सही स्थिति में रख सकेंगे।

टेप से बनाएं समाधान : टेप एक ऐसा सामान है, जिसका उपयोग आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूते के तलवे पर टेप की एक पतली परत चिपकानी होगी। इससे आपके जूते फिसलेंगे नहीं और आप आराम से चल सकेंगे। यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल आपकी चलने की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आप अपने जूतों को लंबे समय तक सही स्थिति में रख सकेंगे।

नमक का करें उपयोग : नमक का उपयोग करके भी आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको बस थोड़ा सा नमक पानी में घोलकर अपने जूतों के तलवे पर लगाना है और कुछ देर के लिए छोड़ देना है। इससे नमक आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा। यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

अखबार आएगा काम : अखबार एक ऐसा सामान है, जिसका उपयोग आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूतों के अंदर अखबार की एक पतली परत डालनी होगी और कुछ घंटे के लिए छोड़ देना होगा। इससे अखबार आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा। यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

मोम का करें उपयोग : मोम का उपयोग करके भी आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूतों के तलवे पर मोम की एक पतली परत रगड़नी होगी और कुछ देर के लिए छोड़ देना होगा।

आपके लिए कितना गुणकारी हैं टमाटर ?

टमाटर न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसके अंदर पाए जाने वाले विटामिन-ए और विटामिन-सी जैसे कई गुणकारी तत्व हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। सब्जी की टोकरी में सामान्य-सा दिखाई देने वाला टमाटर, कई असामान्य गुणों से भरपूर होता है। तो आइये जानते है टमाटर से होने वाले फायदों के बारे में....

-टमाटर एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। टमाटर में विटामिन सी, लाइकोपीन, विटामिन, पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। साथ ही इसमें कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले तत्व भी पर्याप्त मात्रा में होते हैं। जिन लोगों को वजन कम करना है उनके लिए भी ये काफी फायदेमंद है।

-पोषक तत्वों से भरपूर टमाटर गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। एक स्वस्थ शिशु के लिए गर्भवती महिला को प्रचुर मात्रा में पोषक तत्वों और विटामिन्स की आवश्यकता होती है, जिसके लिए टमाटर बेहतर विकल्प है। विटामिन सी मां और बच्चें दोनों को स्वस्थ रखने का कार्य करता है, जो टमाटर में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

-बाजार में प्रचलित ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में आप अमूमन सुनते ही होंगे कि इनमे टमाटर का लीकोपीन मौजूद है। टमाटरों का यह गुण आपको सूर्य की हानिकारण यूवी किरणों के प्रभाव से बचाता है, जिससे आपकी त्वचा आसानी से झुलसती नहीं है। इसके अलावा टमाटर में एंटी

ऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो आपको समय से पहले बूढ़ा नहीं दिखने देते।

-टमाटर का सेवन हमारे पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। यह दस्त और कब्ज दोनों से ही हमारे पाचन तनरत की रक्षा करते हैं।

-टमाटर में विटामिन के और कैल्शियम की उपस्थिति के कारण यह आपकी हड्डियों के लिए एक बहुत अच्छा आहार है। दोनों ही तत्व हड्डियों को मजबूत बनाने और उनकी मरम्मत करने के लिए लाभदायक हैं। इसमें निहित लाइकोपीन नामक एंटी-ऑक्सिडेंट भी हड्डियों को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है, जो ऑस्टियोपोरोसिस से लड़ने का एक प्रभावी तरीका है। ऑस्टियोपोरोसिस एक बीमारी है जो हड्डी के फ्रैक्चर, विकलांगता और विकृति का कारण बन सकती है।

बड़ी-बड़ी बीमारियों से बचाता है छोटा सा आंवला

छोटा सा आंवला सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है, खासतौर पर ठंड के मौसम में आप आंवले का सेवन किसी भी रूप में करे आपके लिए अच्छा ही होगा। हम आपको बताते हैं आंवले के वो पांच फायदे जो जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

रोजाना आंवले खाने से शरीर में शुगर का स्तर संतुलित रहता है, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स क्रीएटिनाइन के सीरम का

स्तर सामान्य करता है।

रोजाना आवंला खाने से पाचनक्रिया सही रहती है।

आंवले में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में होती है, जो बालों के प्राकृतिक रंग को बरकरार रखते हैं। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में है, जो कार्सिनोजेनिक कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं और कैंसर से बचाव करते हैं।

शब्द सामर्थ्य -077

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

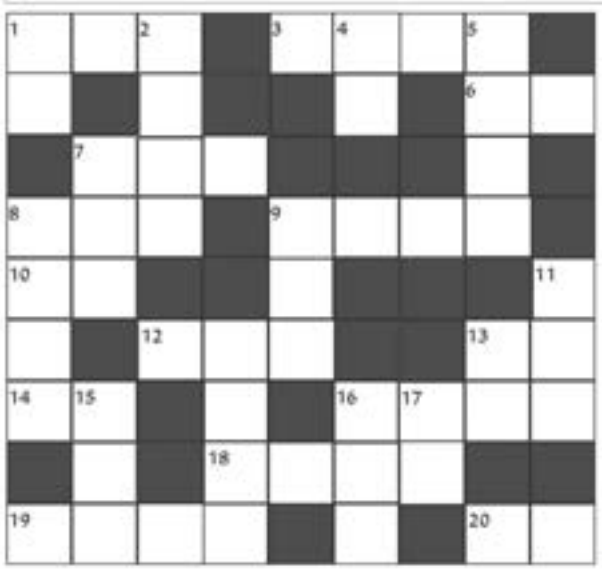

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 76 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		थे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

तुम रहे ना तुम में नजर आएंगे जिमी शेरगिल, पहली बार दिव्या दत्ता संग बनेगी जोड़ी

जिमी शेरगिल इस वक्त ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज की सफलता का जश्न मना रहे हैं। अब उनके हाथ मनोवैज्ञानिक संबंधों पर आधारित ड्रामा फिल्म तुम रहे ना तुम लगी है, जिसका निर्देशन प्रेम प्रकाश मोदी द्वारा किया जाएगा। फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री दिव्या दत्ता होंगी और दोनों पहली बार पर्दे पर पति-पत्नी के रूप में मुख्य किरदारों में दिखेंगे। उनके साथ हर्ष छाया भी अहम रोल में होंगी। इस अपडेट ने फैंस को अभी से उत्साहित कर दिया है। तुम रहे ना तुम को विन्नी चावला और सोनू कात्याल अपने बैनर फैनेटिकली फिल्मी प्राइवेट लिमिटेड के तहत निर्मित कर रहे हैं, जो असल में स्वीडिश नाटककार ऑगस्ट स्ट्रिंडबर्ग के ऐतिहासिक नाटक द फादर का रूपांतरण है। फिल्म के जरिए स्ट्रिंडबर्ग के काम के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक मूल को एक भारतीय परिवारिक परिवेश के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। बता दें, द फादर नाटक अहंकार, असुरक्षा और रिश्तों के बदलते समीकरणों को भावनात्मक रूप में दर्शाता है।

फिल्म पर बात करते हुए जिमी ने कहा, तुम रहे ना तुम ने मुझे तुरंत अपनी ओर आकर्षित कर लिया क्योंकि यह कहानी बहुत ही मानवीय और भावनात्मक रूप से जटिल है। वहीं, दिव्या ने बताया कि वह इसका हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं। यह एक मानवीय, असहज और बहुआयामी कहानी है, और यही जटिलता इस फिल्म को उनके लिए विशेष रूप से दिलचस्प बनाती है। फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब और राजेश भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल, मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों बिग बॉस-20 को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।

अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी। शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है। अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।

बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

रश्मिका-विजय की राणाबाली का टीजर रिलीज, खुलेगा सालों पुराना दफन इतिहास

साउथ के बेहतरीन अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म रणबाली का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में विजय देवरकोंडा रणबाली के मुख्य किरदार में हैं। वहीं रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी जयम्मा के किरदार में हैं। यह फिल्म एक ऐतिहासिक कहानी पर आधारित है।

लगभग ढाई मिनट के टीजर में दिखाया गया है कि 19वीं सदी में ब्रिटिश शासनकाल के दौरान भारतीयों पर अत्याचार होता है। उसी दौर में एक योद्धा जन्म लेता है, जो अंग्रेजों के अत्याचार के परशान होकर हथियार उठा लेता है। रणबाली के किरदार में विजय देवरकोंडा अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं।

टीजर में विजय देवरकोंडा बहुत ही खतरनाक रोल में दिखे हैं। वह जबरदस्त एक्शन मोड में नजर आए हैं। वह कभी खंजर से तो कभी बंदूक से अंग्रेजों को निशाना बनाते हैं। टीजर में रश्मिका मंदाना की भी झलक दिखी है। इसमें अंग्रेजों का किरदार निभाने वाले कलाकारों ने अच्छा काम किया है।

विजय देवरकोंडा की इस बिग-बजट फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में नया पोस्टर जारी किया था। इसके साथ इसकी रिलीज डेट का भी एलान किया था।

रणबाली' दुनियाभर के सिनेमाघरों में 16 अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी।

रणबाली की कहानी अच्छाई की बुराई पर जीत के जज्बे को दिखाती है। ऐसे में मेकर्स ने फिल्म की रिलीज के लिए दशहरे के खास और शुभ मौके को चुना है।

राहुल संकृत्यायन के निर्देशन में बनी रणबाली दर्शकों को एक दमदार और रोमांचक कहानी के साथ बीते दौर में ले जाने वाली है। नए पोस्टर में फिल्म की झलक काफी इंटेंस नजर आ रही है, जहां आग और धुएं से भरे माहौल के बीच विजय देवरकोंडा एक रफ और खतरनाक अवतार में दिख रहे हैं। उनके हाथ में एक भारी घुमावदार हथियार भी नजर आ रहा है।

चेरी प्रिंट टैंक टॉप में रीवा अरोड़ा का बोल्ड अंदाज, सिजलिंग अदाओं से इंटरनेट पर मचाया तहलका

एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने नए फैशन सेंस और ग्लैमरस अवतार को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका कूल, ट्रेंडी और बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है।

तस्वीरों में रीवा ने रिब्ड फैब्रिक वाला व्हाइट कलर का टैंक टॉप पहना हुआ है, जिसके सेंटर में दो लाल चेरी बनी हुई है। उन्होंने इस टैंक टॉप को नीचे से थोड़ा ऊपर मोड़कर वेस्टलाइन को फ्लॉन्ट किया है, जो उनके लुक को बोल्ड टच दे रहा है।

टॉप के साथ रीवा ने लाइट शेड की लो-राइज वाइल्ड-लेग डेनिम जीन्स पेयर की है। लुक को और ज्यादा लग्जरी और क्लासी बनाने के लिए उन्होंने वेस्ट बैंड पर क्रिश्चियन डिओर की सिग्नेचर फैब्रिक बेल्ट कैरी की है।

अपने लुक को पूरा करने के लिए रीवा ने गोल्डन चेन के साथ पेंडेंट, स्टाइलिश गोल्ड रिस्ट वॉच, फिंगर रिंग्स और हाथों में मिनिमल ब्रेसलेट्स पहने हैं। उनके ईयररिंग्स भी काफी अट्रैक्टिव हैं, जो चेरी शेप के ही मैचिंग रेड-ऑरेंज ड्रॉप ईयररिंग्स हैं।

रीवा का मेकअप सॉफ्ट ग्लैम थीम पर बेस्ड है। उन्होंने अपनी आइब्रोज को डार्क और परफेक्टली शेप्ड रखा है। आंखों पर सॉफ्ट ब्राउन शिमरी आईशैडो और मस्कारा का इस्तेमाल किया गया है। गालों पर पीची-पिंक ब्लश और हाइलाइटर का परफेक्ट ग्लो दिख रहा है।

तस्वीरों में रीवा एक से बढ़कर सिजलिंग और बोल्ड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

रीवा अरोड़ा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल हो गई हैं। फैंस कमेंट सेक्शन में दिल और फायर वाले इमोजी की बरसात कर रहे हैं। कोई उन्हें स्टनिंग कह रहा है तो कोई उनके फैशन सेंस को जेन-जी फैशन गोल बता रहा है।

इम्तियाज अली के साथ काम करना बड़ी बात :शरवरी

अभिनेत्री शरवरी ने फिल्म मैं वापस आऊंगा' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इस फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करना उनके लिए बेहद सुखद और यादगार रहा। उन्होंने बताया कि फिल्म ने उन्हें एक अलग दौर और दुनिया में जाने का मौका दिया, जहां उन्होंने अपने अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग भूमिका निभाई।

शरवरी के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास रही, क्योंकि इम्तियाज अली के साथ यह उनका पहला काम था। उन्होंने कहा कि इम्तियाज अली के साथ काम करने की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी और उनके निर्देशन में काम करने का अवसर मिलना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। शरवरी ने फिल्म के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें इस फिल्म पर काम करने में बहुत आनंद आया। इम्तियाज अली के साथ-साथ नीलम और संजय के साथ भी उन्होंने पहली बार काम किया। अभिनेत्री के मुताबिक, पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद अच्छा रहा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत खूबसूरत थी।

उन्होंने बताया कि फिल्म के जरिए उन्हें ऐसी दुनिया में प्रवेश करने का मौका मिला, जहां लोगों के पहनावे से लेकर आसपास के वातावरण तक सब कुछ अलग था। इस नई दुनिया का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद दिलचस्प अनुभव रहा।

शरवरी ने कहा कि फिल्म में उनका किरदार उनके पहले निभाए गए किरदारों से काफी अलग था। उस दौर की जीवनशैली, पहनावे और वातावरण को समझते हुए किरदार में ढलना उनके लिए एक नया अनुभव रहा।

उन्होंने कहा कि उस पूरी दुनिया में खो जाना उन्हें एक अलग तरह का सुकून देता था। फिल्म के वातावरण और किरदार के साथ जुड़ने के दौरान उन्हें एक अलग समय और समाज को करीब से महसूस करने का अवसर मिला।इम्तियाज अली के काम की प्रशंसक रहीं शरवरी ने कहा कि वह लंबे समय से उनके काम को पसंद करती रही हैं। उनके साथ काम करने का अवसर मिलना अभिनेत्री के लिए बहुत बड़ी बात रही। मैं वापस आऊंगा' वर्ष 1947 में हुए भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक कालखंड प्रेम कहानी है। फिल्म की कहानी जिया और कीनू के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें शरवरी ने जिया की भूमिका निभाई है, जबकि वेदांग रैना उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आए हैं।

मैं वापस आऊंगा' का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म के जरिए विभाजन के दौर की प्रेम कहानी और उस समय से जुड़े भावनात्मक पहलुओं को पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

ओजोन संरक्षण के उपायों से छात्रों को कराया जागरूक

हरिद्वार (आरएनएस)। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के जंतु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग में ओजोन संरक्षण दिवस मनाया गया। इस दौरान बीएससी, एमएससी और पीएचडी के विद्यार्थियों को ओजोन के महत्व, क्षरण के कारणों और संरक्षण के उपायों की जानकारी दी गई। छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भी प्रतिभाग किया। विभागाध्यक्ष प्रो. नमिता जोशी ने ओजोन के महत्व और इसके संरक्षण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. डीएस मलिक ने विभिन्न रसायनों के उपयोग और उनके ओजोन पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी दी। प्रो. नितिन काम्बोज ने क्विज के माध्यम से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया।डॉ. विनोद कुमार ने पीपीटी के माध्यम से ओजोन के बनने, क्षरण, प्रभाव और संरक्षण की जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि वायुमंडल के स्ट्रेटोस्फियर में मौजूद ओजोन परत पृथ्वी पर जीवों को हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण से बचाती है। आधुनिक जीवनशैली और मानव गतिविधियों से उत्सर्जित रसायन ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार हैं। यूवी विकिरण से मनुष्य, पौधों और जीव-जंतुओं में कई तरह के विकार हो सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. संगीता मदान, प्रो. राकेश भूटियानी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. गगन माटा, डॉ. विवेक शर्मा आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने एनएच की चौड़ाई घटाने का विरोध किया

विकासनगर(आरएनएस)। बाड़वाला-लखवाड़ बैंड मार्ग पर ग्राम डूमेट के शुरुआती करीब 150 मीटर व्यावसायिक क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की प्रस्तावित चौड़ाई घटाने का स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और प्रभावित भू-स्वामियों ने विरोध किया है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित कर बताया कि पूर्व प्रस्ताव में सड़क की चौड़ाई करीब 18 से 21 मीटर थी, जिसे संशोधित प्रस्ताव में करीब 12 मीटर किए जाने की बात सामने आ रही है। उनका कहना है कि व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में चौड़ाई कम होने से भविष्य में यातायात दबाव बढ़ने पर जाम और बॉटलनेक की समस्या पैदा हो सकती है।क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी, एसडीएम विकासनगर और संबंधित सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विभाग के अधिकारियों को आपत्ति देने की तैयारी की है।उनकी मांग है कि डूमेट के इस हिस्से का संयुक्त तकनीकी निरीक्षण कर सड़क की चौड़ाई और संरेखण की दोबारा समीक्षा की जाए। लोगों का कहना है कि वे सड़क विकास के विरोध में नहीं हैं, बल्कि भविष्य की यातायात जरूरत, सड़क सुरक्षा, पैदल यात्रियों और जल निकासी को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त चौड़ाई में सड़क निर्माण चाहते हैं, ताकि बाद में दोबारा चौड़ीकरण की जरूरत न पड़े।

सू- दोकू क्र.077

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.76 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मां नंदा-सुनंदा की प्रतिमाओं के निर्माण को कदली वृक्षों को दिया आमंत्रण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। ऐतिहासिक नंदादेवी मेले में मां नंदा-सुनंदा की प्रतिमाओं के निर्माण की परंपरा के तहत कदली वृक्षों को आमंत्रण देने की रस्म पूरी की गई। नंदादेवी मंदिर परिसर से नंदादेवी मंदिर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पांडेखोला पहुंचे, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कदली वृक्षों की पूजा-अर्चना कर उन्हें मंदिर आने का निमंत्रण दिया गया।

श्रद्धालुओं ने मां नंदादेवी से क्षेत्र और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर समिति के अनुसार शुक्रवार सुबह छह बजे कदली वृक्षों को पांडेखोला से नंदादेवी मंदिर परिसर लाया जाएगा। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ होने वाली शोभायात्रा में श्रद्धालु शामिल होंगे।

कदली वृक्षों के मंदिर परिसर पहुंचने के बाद चंद वंशज उनकी पूजा करेंगे और स्थानीय कलाकार इन्हीं वृक्षों से मां नंदा-सुनंदा की प्रतिमाओं का निर्माण करेंगे। इसके बाद पूजा-अनुष्ठान और प्राण प्रतिष्ठा की रस्म पूरी की जाएगी तथा श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोलकर दर्शन शुरू कराए जाएंगे।

महाष्टमी के अवसर पर चंद वंशज परिवार और राज परिवार की ओर से परंपरागत पूजा की जाएगी। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला जारी रहेगा और 23 सितंबर को मां नंदा-सुनंदा के डोले की शोभायात्रा निकाली जाएगी। कदली वृक्षों को निमंत्रण देने पहुंचे दल में पंडित तारा चंद्र जोशी, पंडित प्रमोद पाठक, पंडित शेखर चंद्र मिश्रा, पंडित विनोद जोशी, राजपुरोहित नागेश पंत, हरीश पंत, व्यवस्थापक नरेंद्र वर्मा मुन्ना, मेयर अजय वर्मा, दर्जा मंत्री गंगा बिष्ट, सचिव मनोज सनवाल, पार्षद अमित साह मोनू, मुख्य सांस्कृतिक संयोजक अर्जुन बिष्ट चीमा, पार्षद अभिषेक जोशी, पार्षद कमलेश मेर, संजय साह, हरीश बिष्ट, हेमलता वर्मा, गीता मेहरा, किरण साह, रजनी पंत, दीपा पांडे, बीना नयाल, अंजू बिष्ट और पूनम त्रिपाठी सहित दर्जनों श्रद्धालु शामिल रहे। कदली वृक्षों की पूजा में मनीष पाठक, हेमलता पाठक, जगदीश उपाध्याय और भगवती उपाध्याय भी शामिल रहे।

सत्यापन अभियान में एक मकान मालिक का चालान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। बाहरी मजदूरों, फड़-फेरी लगाने वालों, किरायेदारों और घरेलू सहायकों के अनिवार्य पुलिस सत्यापन को लेकर दन्या पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र में सघन सत्यापन अभियान चलाया।

अभियान के दौरान करीब 40 किरायेदारों और मजदूरों का सत्यापन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह के मार्गदर्शन और सीओ अल्मोड़ा भावना कैंथोला के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दिनेश नाथ महन्त के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह अभियान चलाया। इस दौरान किरायेदारों और मजदूरों के सत्यापन की जांच की गई।

अभियान के दौरान एक मकान मालिक द्वारा बिना पुलिस सत्यापन के किरायेदार रखने का मामला सामने आया। पुलिस ने उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत मकान मालिक का 5 हजार रुपये का नकद चालान किया।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अपने किरायेदारों, बाहरी मजदूरों, घरेलू सहायकों और अन्य बाहरी व्यक्तियों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराएं। सत्यापन नहीं कराने या नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्टाइपेंड के लिए सड़क पर उतरे पैरामेडिकल इंटर्न

हल्द्वानी (आरएनएस)। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के पैरामेडिकल इंटर्न छात्र-छात्राओं का स्टाइपेंड की मांग को लेकर आंदोलन चौथे दिन जारी रहा। छात्रों ने मेडिकल कॉलेज गेट से रामपुर गेट तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान छात्रों ने नारेबाजी कर इंटर्नशिप के दौरान 15 हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड देने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी छात्रों ने बताया कि आंदोलन की शुरुआत डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में धरने से की गई थी। वहां के चिकित्सा अधीक्षक की ओर से छात्रों को हटाए जाने के बाद अब राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में धरना दिया जा रहा है। बुधवार शाम पांच बजे मेडिकल कॉलेज गेट, बरेली रोड से पैदल मार्च शुरू हुआ, जो सिंधी चौराहे होते हुए रामपुर गेट पहुंचा और राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में समाप्त हुआ।छात्रों का कहना है कि वे पिछले दो वर्षों से स्टाइपेंड की मांग शासन-प्रशासन और मुख्यमंत्री के समक्ष उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। छात्रों के अनुसार 2022, 2023, 2024 और 2025 बैच के पैरामेडिकल विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के दौरान स्टाइपेंड नहीं मिला है।

चम्पावत जिले की शिक्षा व्यवस्था डीईओ बेसिक के सहारे

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत जिले की शिक्षा व्यवस्था डीईओ बेसिक के सहारे चल रही है। सीईओ का अतिरिक्त चार्ज डीईओ बेसिक को दिया गया है। यहां लंबे समय से सीईओ और डीईओ माध्यमिक के पद रिक्त चल रहे हैं। जिले में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के पांच पद भी रिक्त चल रहे हैं। चम्पावत जिले की शिक्षा व्यवस्था महज एक अधिकारी के कंधों पर है। दरअसल यहां तैनात सीईओ मेहरबान सिंह की पदोन्नति हो गई थी। लेकिन इसके बाद किसी अन्य स्थाई सीईओ की तैनाती नहीं होने से तब से यह पद रिक्त चल रहा है। इस वजह से चम्पावत के जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक मान सिंह को मुख्य शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।इसी तरह जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारी माध्यमिक का भी पद करीब तीन माह से खाली चल रहा है। इस पद पर भी अब तक किसी अधिकारी की तैनाती नहीं हो सकी है। इसके अलावा ब्लॉक स्तरीय पांच अधिकारियों के पद भी रिक्त चल रहे हैं।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हाई रिस्क गांवों में एक्स-रे स्क्रीनिंग तेज

अल्मोड़ा(आरएनएस)। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद अल्मोड़ा के हाई रिस्क गांवों में एक्स-रे स्क्रीनिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश चंद्र पंत के निर्देशन में वर्तमान में भिकियासैंण, हवालबाग, धौलादेवी और ताड़ीखेत ब्लॉकों में एक्स-रे स्क्रीनिंग की जा रही है। इसके साथ ही संभावित टीबी रोगियों की बलगम जांच में भी तेजी लाई गई है।

जागरूकता अभियान के तहत जिला नोडल अधिकारी एनटीईपी डॉ. दीपक शर्मा, जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. प्रांशु डेनियल और डॉ. पूनम भट्ट के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स, आर्मी कैडेट्स, माय भारत वालंटियर्स और जनपद के विश्वविद्यालयों में जाकर टीबी कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है। लोगों को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी रहने पर बलगम की जांच और एक्स-रे स्क्रीनिंग कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तर से मिले निर्देशों के क्रम में प्रत्येक ब्लॉक में पांच-पांच एनसीसी कैडेट्स और पांच माय भारत वालंटियर्स की टीम गठित की गई है। इन टीमों को टीबी कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में लोगों को जागरूक करने के साथ इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करेंगी।

टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम के तहत जल्द ही जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जनप्रतिनिधियों के सहयोग से अभियान को और गति मिलने की उम्मीद है। विभाग का कहना है कि अल्मोड़ा जनपद जल्द ही निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अभियान को सफल बनाने में वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस), सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), बीपीएम और स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी लगातार प्रयास कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जमीन दिलाने के नाम पर ठगे 34 लाख

संवाददाता,देहरादून। जमीन दिलाने के नाम पर 34 लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आईडीपीएल वीरभद्र निवासी गौरव कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान ऋषिनगर सहस्त्रधारा रोड निवासी राकेश कुमार से हुई। राकेश ने सहस्त्रधारा रोड पर एक प्लाट दिखाया जो उसको पसंद आ गया। जिसके बाद राकेश उसकी पत्नी सपना, विकास नेगी व राकेश के भतीजे के साथ उसका एग्रीमेंट हुआ और उसने उनको 34 लाख रूपये एडवांस दे दिये। जिसके बाद रजिस्ट्री के समय वह आना कानी करने लगे। जब उसने अपने रूपये वापस मांगे तो उन्होंने उसके साथ गाली गलौज करते हुए रूपया देने से इंकार कर दिया।

मारपीट कर घायल करने पर पति-पत्नी पर मुकदमा

देहरादून। मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी सत्या राठौर ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले विश्व दीपक राठौर व उसकी पत्नी बबीता उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग उसको बचाने आये तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये।

चोरी की तारों के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने चोरी की तारों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार टीचर कालोनी निवासी राजेश अग्रवाल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने उसके यहां से उसके यहां से कीमती सामान व तारों के बंडल चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चौकिंग के दौरान चोरी की तारों व सामान के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मुरारी साहनी पुत्र भूपल साहनी निवासी गोविन्द गढ़ आजाद कालोनी बताया।

मकान का ताला तोड़ लाखों के जेवरात चोरी

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से लाखों रूपये के जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। केशवपुरी बस्ती निवासी टीना राय ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से लाखों रूपये के सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गये हैं।

गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने गांजे के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने अजबपुर फ्लाई ओवर के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 904 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम भूरिया पत्नी अर्जुन सिंह निवासी सपेरा बस्ती आकाशवाणी के पास बताया।

कमरे का ताला तोड लैपटॉप, मोबाइल व नगदी चोरी

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड लैपटॉप, मोबाइल व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।चन्द्रबनी निवासी शैलेन्द्र प्रताप ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार गया था जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके कमरे का ताला टूटा हुआ था। चोर उसके यहां से लैपटॉप, मोबाइल व पांच हजार रूपये नगद चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पेज एक का शेष

ईडी की आंच से बचने को हरीश रावत ने चला

इस बार भी उन्होंने वही रास्ता चुना है, लेकिन मुद्दा कहीं ज्यादा गंभीर है। हाथ में मां की तस्वीर लेकर दिया गया बयान उनके लिए राजनीतिक बचाव का भावनात्मक कवच बन गया है। अब असली सवाल यह है कि क्या यह भावनात्मक अपील आरोपों के राजनीतिक असर को रोक पाएगी? इसका जवाब आने वाले दिनों की जांच, सामने आने वाले दस्तावेजों और दोनों दलों की राजनीतिक रणनीति से मिलेगा। हरीश रावत ने संकेत दे दिया है कि वह चुप बैठने वाले नहीं हैं। उन्होंने संघर्ष जारी रखने की बात कही है। यानी आने वाले दिनों में यह मामला और मुखर हो सकता है। एक तरफ जांच एजेंसी की कार्रवाई है, दूसरी तरफ रावत की राजनीतिक सफाई। एक तरफ भाजपा के हमले की जमीन है, दूसरी तरफ कांग्रेस के भीतर रावत की अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता का सवाल। 2027 की चुनावी बिसात पर अभी कई मोहरे चलने बाकी हैं। लेकिन हरीश ने अपने ऊपर लगे आरोपों के जवाब में पहली चाल चल दी है कि हाथों में मां की तस्वीर, जुबान पर सौगंध और सामने राजनीतिक चुनौती। अब सवाल यह नहीं कि रावत चुप होंगे या नहीं। सवाल यह है कि उनके इस भावनात्मक पलटवार के बाद भाजपा और कांग्रेस की सियासी लड़ाई किस नए मोड़ पर पहुंचती है।

सरकार खेल महोत्सवों में वाहवाही लूट रही

पहाड़ के स्कूलों में शारीरिक शिक्षक तक नहीं: पाण्डेय

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों का अनिश्चितकालीन धरना आज 108वें दिन और क्रमिक अनशन 93वें दिन में प्रवेश कर गया है, लेकिन धामी सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। प्रशिक्षित बेरोजगार विगत 108 दिनों से शिक्षा निदेशालय, ननूरखेड़ा, देहरादून में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। संगठन का कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ रोजीख़रोटी की नहीं, बल्कि पहाड़ के सरकारी स्कूलों की बदहाल शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई को उजागर करने की भी है।

प्रदेश अध्यक्ष जगदीश चंद्र पाण्डेय ने कहा कि एक तरफ सरकार खेल महोत्सव के जरिए प्रदेश के नौनिहालों की प्रतिभा पर अखबारों, टीवी और सोशल मीडिया में अपना गुणगान कर रही है, वहीं दूसरी तरफ हकीकत यह है कि प्रदेश के अधिकांश प्राथमिक से लेकर इंटर कॉलेज तक शारीरिक शिक्षकों के बिना वीरान पड़े हैं। दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में बच्चे अपने दम पर सफलता की कहानी लिख रहे हैं और सरकार उनकी उपलब्धियों पर अपना प्रचार कर रही है। पाण्डेय ने कहा, "108 दिन से धरना और 93 दिन से क्रमिक अनशन चल रहा है, फिर भी सरकार मौन है। यह वादाखिलाफी है। अगर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और अधिक व्यापक और लोकतांत्रिक तरीके से तेज किया जाएगा। सरकार को तत्काल संवाद कर समाधान की पहल करनी चाहिए। प्रशिक्षित बेरोजगारों की प्रमुख मांगों में नई शिक्षा नीतिख़2020 के तहत प्रदेश के प्रत्येक प्राथमिक से लेकर प्रत्येक इंटरमीडिएट विघालय तक एक शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। वहीं उच्च प्राथमिक विघालयों में शारीरिक शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित फाइल संख्या 77006 को शीघ्र कैबिनेट से मंजूरी दिलाकर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेजों में नई शिक्षा नीति के अनुरूप शारीरिक शिक्षा के व्यायाम प्रवक्ता के पद सृजित किए जाएं व वर्ष 2006 से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों को भर्ती प्रक्रिया में आयु सीमा में छूट प्रदान की जाए। धरना स्थल पर प्रदेश अध्यक्ष जगदीश चंद्र पाण्डेय के साथ महेश नेगी, भुवनेश बिष्ट, अनिल राज, संजय कोरंगा, गिरीश मिश्रा, विपिन भंडारी, अर्जुन लिंगवाल, हरबंस चौहान सहित दर्जनों प्रशिक्षित बेरोजगार मौजूद रहे।

मसूरी में रेस्टोरेंट में घुसकर मारपीट, मुकदमा दर्ज

देहरादून। पर्यटन नगरी मसूरी में एक रेस्टोरेंट में घुसकर युवक और उसके साथियों के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग हाथों में डंडे लेकर रेस्टोरेंट परिसर में पहुंचते और वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार घटना 15 सितंबर 2026 की दोपहर करीब 3:51 बजे की बताई जा रही है। वीडियो में कुछ लोग एक वाहन से उतरकर रेस्टोरेंट की ओर जाते नजर आते हैं। कुछ देर बाद वहां विवाद शुरू होता दिखाई देता है। फुटेज में कुछ लोगों के हाथों में डंडे नजर आ रहे हैं। इसके बाद रेस्टोरेंट के भीतर मारपीट होने से अफराख़ तफरी मच जाती है। बाहर लगे दूसरे सीसी कैमरे में भी कुछ लोगों के बीच हाथापाई की तस्वीरें कैद हुई हैं। हालांकि विवाद की शुरुआत किस कारण हुई, इसकी जांच पुलिस कर रही है। पुलिस को दी गई तहरीर में मनीष नामक युवक ने आरोप लगाया है कि कुछ अज्ञात लोग रेस्टोरेंट में पहुंचे और उस पर तथा उसके साथियों पर लाठीख़डंडों से हमला कर दिया। घटना में मनीष और उसके साथियों के चोटिल होने की बात भी सामने आई है।वहीं घटना का सीसी वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कई लोग घटनास्थल पर दिखाई दे रहे हैं, लेकिन पुलिस जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति की भूमिका या दोष के संबंध में अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

किसान महासभा के सम्मेलन लिए हुआ प्रतिनिधिमंडल रवाना

हमारे संवाददाता

नैनीताल। अखिल भारतीय किसान महासभा, नैनीताल के प्रतिनिधिगण अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सम्मेलन 20-21 सितंबर में भागीदारी करने के लिए जालंधर रवाना हुए। रवानगी से पूर्व अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष बहादुर सिंह जंगी ने बताया कि किसान महासभा के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश की खेती और किसान के गंभीर संकट पर चर्चा के उपरांत किसान आंदोलन की रणनीति बनाई जायेगी। मोदी सरकार लगातार दावा करती है कि उसने किसानों के हित में ऐतिहासिक काम किए हैं। लेकिन किसानों की वास्तविक जिंदगी बदहाल है. मोदी सरकार की कृषि नीति किसानख़ केंद्रित नहीं किसान विरोधी है।

डॉ.कैलाश पाण्डेय ने कहा कि, सवाल केवल इतना नहीं है कि सरकार किसानों के लिए क्या कर रही है बल्कि आज बड़ा सवाल यह है कि सरकार खेती की पूरी व्यवस्था किसके हाथों में सौंप रही है? किसान के हाथ में? या बड़े कॉरपोरेट के हाथ में? उन्होंने कहा कि, भारत और अमेरिका के बीच कृषि व्यापार समझौते को मंजूरी देकर मोदी सरकार ने भारत के किसान, खेत मजदूर, उपभोक्ता और खाघ सुरक्षा पर हमला बोल दिया है। इसके साथ ही प्रस्तावित बीज विध `यक के माध्यम से मोदी सरकार बीज पर बड़े पूंजीपतियों का कॉरपोरेट नियंत्रण स्थापित करना चाहती है। कुल मिलाकर मोदी सरकार की कृषि नीति किसान विरोधी है इसलिये इसका पुरजोर विरोध जरूरी है।

किसान महासभा के नैनीताल जिला सचिव नैन सिंह कोरंगा ने कहा कि, भाजपा सरकार ने अपनी जनविरोधी नीतियों के माध्यम से मेहनतकश किसान मजदूर आबादी का जीना मुहाल कर दिया है. भाजपा ख़ भूमि का मालिकाना, आवास, शिक्षा, रोजगार, पेपर लीक, महँगाई, भ्रष्टाचार जरूरी मुद्दों से लोगों का ध्यान बांटने के लिए विभाजन और नफरत की राजनीति का खतरनाक कार्ड खेल रही है। इस विभाजनकारी राजनीति को ध्वस्त किया जाना जरूरी है और इसके खिलाफ मजदूरों किसानों और आम जनता की एकता के बल पर जनविरोधी नीतियों को वापस लेने के लिए सरकार को विवश करना होगा।

किसान महासभा के राष्ट्रीय सम्मेलन में जाने वाले नैनीताल जिले के प्रतिनिधियों में मुख्य रूप से बिंदुखत्ता, बागजाला, सुल्ताननगरी समेत जिले के पर्वतीय क्षेत्रों के प्रतिनिधि हैं जिनमें बहादुर सिंह जंगी, डॉ.कैलाश पाण्डेय, नैन सिंह कोरंगा, पुष्कर दुबड़िया, किशन बघरी, प्रेम सिंह नयाल, निर्मला शाही, कमल जोशी, परवेज अहमद, उर्मिला मौर्य, दीवान सिंह बर्गली, अमीर चंद, अंबा दत्त बसखेती, त्रिलोक शाह, जयंती नयाल, निशा शामिल हैं।

धामी सरकार की होम स्टे नीति ने पर्यटन को दी नई रफ्तार

रिवर्स पलायन को मिला बढ़ावा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की होम स्टे नीति पहाड़ के गांवों में पर्यटन को नई रफ्तार देने के साथ ही रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हुई है। आज बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने होम स्टे व्यवसाय को अपनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। रिवर्स पलायन की बात करें तो करीब साढ़े छह हजार प्रवासी अपने गांव लौटे हैं। इनमें 22 फीसदी से अधिक प्रवासियों ने होम स्टे व्यवसाय को अपनाया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन को गांव-गांव तक पहुंचाने पर विशेष जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में होम स्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक प्रदेश भर में अब तक लगभग पांच हजार से अधिक होम स्टे संचालित हो रहे हैं। इस दिशा में दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे विकास योजना कारगर सिद्ध हुई है।

योजना के तहत चार वर्षों में 537 लाभार्थियों को 79 करोड़ 28 लाख 18 हजार की धनराशि होम स्टे निर्माण के लिए अनुदान के रूप में दी जा चुकी है। योजना के तहत पर्वतीय क्षेत्र में परियोजना लागत की 50 फीसदी (अधिकतम 15 लाख) और मैदानी क्षेत्रों में लागत की 25 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 7.50 लाख) दी जा रही है।

हमारे गांव खुशहाल होंगे तो प्रदेश और देश भी खुशहाल होंगे। इस ध्येय वाक्य के साथ हम पर्यटन को गांव-गांव तक पहुंचाना चाहते हैं। इस दिशा में होम स्टे योजना कारगर सिद्ध हुई हैं। बड़ी संख्या में लोगों के होम स्टे व्यवसाय अपनाने से जहां युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, वहीं हमारे गांव देश विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

योजना को लेकर युवाओं और महिलाओं में खासा उत्साह है। धामी सरकार की यह योजना गांवों के पर्यटन विकास का बड़ा आधार बनी है। रुद्रप्रयाग जिले का सारी गांव इसका बड़ा उदाहरण है। यहां 40 से अधिक होम स्टे संचालित हो रहे हैं और बड़ी संख्या में ट्रेकर्स और पर्यटक पहुंच रहे हैं।

उत्तरकाशी जिले में भारत-चीन सीमा पर स्थित जादुंग गांव अब पर्यटकों से गुलजार होगा। धामी सरकार ने इस गांव को होम स्टे क्लस्टर के रूप में विकसित करने का बीड़ा उठाया है। यहां छह होम स्टे का निर्माण अंतिम चरण में है। बता दें कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान सामरिक कारणों से सेना ने सीमांत नेलांग और जादुंग गांव को खाली करा दिया था। अब यह दोनों गांव केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत शामिल हैं।

मेरी योजना मेरी सरकार॰ कार्यक्रम के तहत ट्रेकिंग ट्रेक्शन सेंटर होम स्टे अनुदान योजना लागू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही इसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत बीते चार वर्षों में 258 पात्र लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है।

योजना की खास बातें

- दीनदयाल उपाध्याय होमस्टे विकास योजना पूरे राज्य में लागू है लेकिन नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्र को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।
- उत्तराखण्ड के मूल निवासी ही योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हैं।
- होम स्टे का निर्माण या पुराने भवन के नवीनीकरण के बाद उसे पर्यटन विकास परिषद में पंजीकृत कराना अनिवार्य है।
- योजना के लिए उत्तराखण्ड सरकार के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जाता है।
- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समिति की बैठक में आवेदक के साक्षात्कार के बाद प्रस्ताव स्वीकृत होने बाद आवेदन ऋण स्वीकृति के लिए बैंक को भेजा जाता है।

प्रदेश में भूमि अतिक्रमण निषेध अध्यादेश तत्काल हो लागू

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में सरकारी और निजी भूमि पर अवैध कब्जों तथा अतिक्रमण के खिलाफ प्रस्तावित उत्तराखंड भूमि अतिक्रमण (निषेध) अध्यादेश-2026 को तत्काल लागू करने की मांग तेज हो गई है। संयुक्त नागरिक संगठन ने अध्यादेश को आगामी कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत कर पारित कराने की मांग को लेकर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, सचिव आवास, सचिव राजस्व और एमडीडीए को ज्ञापन भेजा है। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से मुलाकात कर इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की मांग भी की।

संगठन का कहना है कि प्रदेश में सरकारी और निजी जमीनों पर भू-माफियाओं के अवैध कब्जों को हटाने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से पिछले वर्षों में कई अभियान चलाए गए, लेकिन इनमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। ऐसे में प्रस्तावित अध्यादेश से प्रभावित लोगों को उम्मीद बंधी थी कि नए कानून के लागू होने के बाद अवैध कब्जों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा और पीड़ितों को राहत मिलेगी।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित अध्यादेश में नए और पुराने दोनों प्रकार के अवैध कब्जों के मामलों में आरोपितों और कब्जाधारियों के खिलाफ कड़े प्रावधान किए जाने प्रस्तावित हैं। इनमें भारी जुर्माने के साथ दस वर्ष तक की सजा का प्रावधान तथा ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान भी शामिल है। संगठन का तर्क है कि ऐसे कठोर प्रावधान कानून को प्रभावी हथियार बना सकते हैं।

दो कैबिनेट बैठकों के बावजूद अध्यादेश पर फैसला न होने से संयुक्त नागरिक संगठन नाराज

मुख्य सचिव समेत शासन के अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

संयुक्त नागरिक संगठन ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लगातार सामने आ रहे भूमि कब्जों के मामलों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि भू-माफियाओं में कानून का भय नहीं रह गया है।

ज्ञापन में प्रस्तावित अध्यादेश को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। संगठन ने कहा कि हाल में दो कैबिनेट बैठकें होने के बावजूद अध्यादेश को कैबिनेट के समक्ष लाकर पारित नहीं कराया गया। संगठन ने इसे गंभीर विषय पर सरकार की प्राथमिकता और कार्यप्रणाली को लेकर चिंता का विषय बताया। संगठन ने आशंका जताई कि संभव है कि भू-माफिया प्रस्तावित अध्यादेश को लागू होने से रोकने के लिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हों। हालांकि इस आशंका के समर्थन में संगठन ने कोई प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है।

प्रतिनिधिमंडल ने शासन के संबंधित विभागों के कार्यालयों में पहुंचकर अधिकारियों के समक्ष भी अपनी मांग रखी। ज्ञापन में सरकार से अनुरोध किया गया कि आगामी कैबिनेट बैठक में प्रस्तावित भूमि अतिक्रमण निषेध अध्यादेश को प्रस्तुत कर तत्काल पारित किया जाए, ताकि प्रदेश में अवैध कब्जों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके और भूमि संबंधी मामलों से पीड़ित लोगों को राहत मिल सके। प्रतिनिधिमंडल में गिरीश चंद्र भट्ट, ठाकुर शेरसिंह, उमेश्वर सिंह रावत, सुशील त्यागी, प्रदीप कुकरेती और उमेश सक्सेना शामिल रहे। ज्ञापन संयुक्त नागरिक संगठन देहरादून के सचिव प्रदीप कुकरेती की ओर से भेजा गया।

शराब तस्कर गिरफ्तार, 11 पेटी शराब बरामद

हमारे संवाददाता, देहरादून। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लाखों रूपये की चंडीगढ़ मार्का 11 पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद हुई है। पुलिस ने क्षेत्र में चौकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को सेलाकुई स्थित सारना के पास सहसपुर की तरफ से आ रही एक एक सदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार सवार कार छोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान कार में रखी 11 पेटी चंडीगढ़ मार्का शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिल सिंह पुत्र स्व. दिनेश सिंह निवासी पैडूल 1530 ब्लॉकख्एफ आदर्शनगर नजदीक शिव मन्दिर नया गांव एसएएस नगर मोहाली पंजाब बताया। बताया कि वह मौहाली पंजाब मे रहता है तथा टैक्सी चलाता है, उक्त शराब को वह चंडीगढ़ से लाया था, जिसे वह शादी समारोह में सप्लाई करने के लिए पौडी गढवाल ले जा रहा था। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

2026 में साइबर पीड़ितों की 25.42 करोड़ की राशि होल्ड

हमारे संवाददाता

साइबर ठगी के खिलाफ एसटीएफ की प्रभावी कार्यवाही जारी

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ के निर्देशों के क्रम में साइबर अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। एसटीएसफ के अधीन संचालित राष्ट्रीय वित्तीय साइबर हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रूम द्वारा साइबर ठगी की शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित बैंक/नोडल अधिकारियों से समन्वय कर ठगी की धनराशि को तत्काल होल्ड कराने की कार्रवाई की जा रही है।

पिछले 15 दिनो की अवधि में 1930 पर प्राप्त मुख्य मुख्य शिकायतों में त्वरित कार्रवाई करते हुए होल्ड/सेव कराई गई धनराशि विवरण के अनुसार बीते 2 सितम्बर को सुरेन्द्र कौर, निवासी कोतवाली

पटेलनगर, जनपद देहरादून द्वारा 1930 हेल्पलाइन पर ऑनलाइन फ्रॉड के माध्यम से 1,95,982 रूपये की साइबर ठगी की सूचना दी गई। शिकायत प्राप्त होते ही 1930 कंट्रोल रूम में नियुक्त टीम द्वारा संबंधित बैंक/नोडल अधिकारी से समन्वय कर त्वरित कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप शिकायतकर्ता की 1,27,742.06 रूपये कीधनराशि होल्ड कराई गई। वहीं अलका नौटियाल, निवासी डोईवाला, जनपद देहरादून की 50,000 रूपये की धनराशि होल्ड कराई गई। ललित जोशी, निवासी जनपद बागेश्वर द्वारा 99,999 रूपये की साइबर ठगी की शिकायत पर 66,283.76 रूपये की धनराशि होल्ड कराई गई। रघुवीर सिंह मटियाल, निवासी जनपद नैनीताल की साइबर ठगी की शिकायत पर उनकी 75,030.12 रूपये की धनराशि होल्ड कराई गई। बाबू राम, निवासी कैंट, जनपद देहरादून की साइबर ठगी की शिकायत पर उनकी 49,392.22 रूपये की धनराशि होल्ड कराई गई। इसी तरह पूनम निवासी रूड़की, प्रदीप निवासी पटेलनगर, शाहनवाज, निवासी काशीपुर, जितेन्द्र निवासी देहरादून, आरती वर्मा निवासी देहरादून की साइबर ठगी में गयी धनराशि होल्ड करायी गयी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।